मृदुल पत्रिका
समाचार पत्र को समस्त
जिलों एवं तहसील-कस्बों
में संवाददाताओं की
आवश्यकता है।
सम्पर्क सूत्र
9828888853

दैनिक
मृदुल पत्रिका
Mridul Patrika

राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों
व समाचार पत्रों की
प्रिन्टिंग की जाती है
सम्पर्क सूत्र
9571039307
(भरत प्रिंटर्स एण्ड
सैल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 10 वर्ष: 15 मूल्य 2.00 रु. अंक 32 | जयपुर, सोमवार, 11 सितम्बर, 2023 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

सीएसआईआर-सीरी में हिंदी सप्ताह शुरू, आशुभाषण में गुरमेंद्र और वाद-विवाद में विक्रम रावत रहे प्रथम

हिंदी राजभाषा होने के साथ विश्व में भारतीयता की पहचान भीः डॉ अभिजीत कर्माकर

पिलानी (मृदुल पत्रिका)। सीएसआईआर-सीरी पिलानी में हिंदी सप्ताह का शुभारंभ हुआ। परंपरागत रूप से अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर संबोधित करते हुए हिंदी सप्ताह आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक ने अपने संबोधन में हिंदी सप्ताह के शुभारंभ पर अपनी शुभकानाएं दीं। उन्होनें कहा कि हिंदी न केवल हमारी राजभाषा है अपितु विश्व में भारत और भारतीयता की पहचान भी है। अपने संक्षिप्त संबोधन के अंत में उन्होंने सभी सहकर्मियों विशेषकर नए सहकर्मियों से अधिकाधिक संख्या में प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होने का आह्वान किया।

इस अवसर पर प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण ने कहा कि हिंदी पूरे देश की सर्वमान्य संपर्क भाषा भी है। विगत कुछ समय से देश-विदेश में हिंदी का उपयोग और प्रतिष्ठा भी बढ़ी है। अपने संबोधन में उन्होंने हिंदी की विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला। हिंदी की समावेशी प्रकृति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी ने अन्य भारतीय भाषाओं के शब्दों को स्वीकार कर अपना प्रसार बढ़ाया है।

संस्थान में प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के उपयोग की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि संस्थान का राजभाषा प्रकोष्ठ वर्षपर्यन्त अपनी गतिविधियों के माध्यम से संस्थान में हिंदीमय वातावरण बनाए रखता है। उन्होंने इसके लिए राजभाषा प्रकोष्ठ की सराहना की।

इससे पूर्व हिंदी सप्ताह आयोजन के संयोजक एवं वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने सभी उपस्थित सहकर्मियों का स्वागत किया और सप्ताह पर्यन्त आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि हिंदी दिवस के अवसर पर संस्थान के निदेशक द्वारा हिंदी प्रतियोगिताओं एवं प्रोत्साहन योजनाओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

उद्घाटन सत्र के उपरांत आयोजित आशुभाषण प्रतियोगिता में गुरमेन्द्र सिंह, वरिष्ठ सचिवालय सहायक ने प्रथम, डॉ गौरव पुरोहित, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने द्वितीय, धनराज नायक, पीएचडी छात्र ने तृतीय तथा गोविंद कुमार, संविदा कर्मी ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। वाद विवाद प्रतियोगिता में एक देश -एक चुनाव की नीति देश हित में है विषय पर विचार रखते हुए श्री विक्रम सिंह रावत, तकनीकी अधिकारी ने प्रथम, गुरमेन्द्र सिंह, वरिष्ठ सचिवालय सहायक ने द्वितीय, मंदाकिनी सिंह, परियोजना सहायक ने तृतीय और बाबुल सैनी, परियोजना सहायक ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

निर्णायक मंडल के सदस्यों डॉ अभिजीत कर्माकर, जय प्रकाश इंदौरा तथा जय शंकर शरण ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की और विजेताओं को बधाई दी। प्रतियोगिता का संचालन जितेन्द्र नाथ बाजपेई, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने किया।